C1115

Total Pages : 3 Roll No. .....

CPS-6

संस्कृत का शिक्षणशास्त्र (भाग-1)

Bachelor of Education

Second Semester Examination, 2022 (June)

Time : 2 Hours] **[Max. Marks : 40**

नोट : यह प्रश्नपत्र चालीस (40) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×10=20)

1. संस्कृत भाषा के सामाजिक एवं ऐतिहासिक महत्त्व का वर्णन करते हुए वर्तमान में इस भाषा के अध्ययन-अध्यापन की प्रासंगिकता सिद्ध करें।

2. संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं के शिक्षण की प्रयोजनमूलकता का आशय स्पष्ट करते हुए कथा साहित्य, नाट्य साहित्य एवं काव्य साहित्य की प्रयोजहनमूलकता सिद्ध करें।

3. प्रथम एवं द्वितीय संस्कृत आयोगों में पाठ्यक्रम में संस्कृत भाषा को स्थान प्रदान करने के संबंध में की गई सिफारिशों का वर्णन करें।

4. संस्कृत भाषा के किसी भी एक गद्य रचना के शिक्षण के लिए पाठ्य योजना का निर्माण करें।

5. संस्कृत शिक्षण में कम्प्यूटर एवं इंटरनेट के योगदान का वर्णन करते हुए संस्कृत शिक्षण के किन्हीं 2 ऑनलाइन कार्यक्रमों का वर्णन करें।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×5=20)

1. राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय एकता के पोषक के रूप में संस्कृत भाषा के महत्त्व पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

2. नाटक शिक्षण के उद्देश्यों का उल्लेख करें।

3. संस्कृत भाषा के अध्ययन-अध्यापन में नवाचार लाने हेतु श्री अरविंदो आश्रम एवं संस्कृत भारतीय द्वारा किए जा रहे प्रयासों का संक्षिप्त वर्णन करें।

4. पाठ्यक्रम में संस्कृत भाषा को अनिवार्य स्थान देने के पक्ष में तर्क प्रस्तुत करें।

5. संस्कृत भाषा शिक्षक के गुणों का वर्णन करें।

6. त्रिभाषा सूत्र एवं संस्कृत भाषा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

7. संस्कृत शिक्षण की व्याकरण-अनुवाद विधि का वर्णन करें।

8. सूचना एवं संचार तकनीकी तथा संस्कृत साहित्य शिक्षण की जीवंतता पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।